रोजगार देने में नोएडा के बराबर पहुंचा लखनऊ

नेशनल कॅरिअर सर्विस की रिपोर्ट : प्रयागराज से पिछड़ा कानपुर, प्रदेश में पलायन हुआ कम, छोटे जिलों में भी बढ़े अवसर

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। रोजगार सृजन व इसकी मांग वाले शहरों में अब तक गौतमबुद्धनगर (नोएडा) व कानपुर ही सबसे आगे थे। पर, पहली बार रोजगार देने व इसके पंजीकरण के मामले में नोएडा के साथ लखनऊ ने संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

अप्रत्याशित रूप से प्रयागराज दूसरे स्थान पर आ गया है। कानपुर तीसरे पर खिसक गया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के नेशनल कॅरिअर सर्विस (रिपोर्ट 2023-24 की) के मुताबिक प्रदेश में रोजगार के अवसर चार से 29 से भी ज्यादा जिलों फैल गए हैं। छोटे जिलों में भी नौकरियों के लिए न केवल भारी संख्या में आवेदन आ रहे हैं बल्कि अवसर पर तैयार हो रहे हैं।

प्रदेश से रोजगार के लिए पलायन करने वालों की संख्या में कमी आ रही है। इसी का परिणाम है कि केवल बड़े ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे जिलों में भी रोजगार के लिए पंजीकरण में अप्रत्याशित तेजी आई है। इसकी वजह स्थानीय बेल्ट में ही रोजगार के बढ़ते अवसर हैं। सकारात्मक बदलाव के चलते रोजगार की संभावनाएं छोटे शहरों में भी बढ़ गई हैं। जबकि लखनऊ

सबसे बड़ा शहर बनकर उभरा है। प्रदेश के रोजगार सृजन व मांग का कुल 32 फीसदी (16-16 फीसदी) नोएडा और लखनऊ के हिस्से आ गया है।

औद्योगिक विकास की वजह से प्रयागराज रोजगार का सबसे तेजी से उभरता नया केंद्र बना है। कुल रोजगार सृजन व संभावनाओं के लगभग 9.57 फीसदी हिस्से पर प्रयागराज ने कब्जा जमाया है। उससे नीचे 8.51 फीसदी के साथ कानपुर है। दिलचस्प है कि झांसी व आगरा इस मामले में कानपुर को चुनौती दे रहे हैं। इन दोनों की हिस्सेदारी करीब 15 फीसदी (7.45 फीसदी प्रत्येक) है। यानी दोनों कानपुर से महज एक फीसदी की दूर पर हैं।

65%

रोजगार व मांग अकेले नोएडा, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, आगरा और झांसी में

7 शहरों की लंबी छलांग : बाराबंकी, वाराणसी, मेरठ व कन्नौज में 3.19%, कांशीरामनगर, सहारनपुर व मथुरा में 2.13%

- **17 छोटे जिले भी रोजगार के केंद्र :** अलीगढ़, बलिया, चंदौली, फैजाबाद, फरुर्खाबाद, गाजीपुर, ज्योतिबा फुले नगर, कौशांबी, ललितपुर, मऊ, मिरजापुर, रायबरेली, सहारनपुर, संभल और भदोही